[श्री प्रकाश वीर शास्त्री]

इन्जीनियर साहब 5 अगस्त को पहुंचे। उस से पहले चीफ इन्जीनियर को सूचना मिलने के बाद भी नहीं पहुंचे स्पष्ट रूप से जब यह पता लग जाता है कि गंगा में पहाड़ टूट-टूट कर आ रहे हैं, नहर भर्ती चली जा रही है तो चीफ इन्जीनियर साहब का 5 अगस्त को वहां पहुचना और फिर 13 अगस्त को नहर बन्द करने का आर्डर देना—ये सब बातें स्पष्ट करती हैं कि दोष किस पर आता है। डा० राव जैसे कुशल मन्त्री को इस बात को छुपाने का प्रयत्न नहीं करना चाहिये।

दूसरी बात-किसानों के लिये सबसे आवश्यक बात यह है कि नहर कम से कम देर तक बन्द रहे और उसकी मिट्टी जल्द से हट जाय-जब मिलिट्री इस काम को आसानी से कर सकती है तो प्राइवेट लोगों को ठेका देने की बात क्यों सोची जा रही है ?

श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा : (बाढ़) एस्सिटेंट इन्जीनियर ने टेलीग्राम भेजा था मन्त्री महोदय उसका भी हवाला दें। अध्यक्ष महोदय, रेस्पोंस्बिल्टी छोटे-छोटे अफसरों पर डाल दी जाती है और बड़े आफिसर स्टाक-फी निकल जाते हैं।

DR. K. L. RAO : What the hon. Member said is correct that the Chief Engineer arrived on the spot on the 5th. The Chief Engineer thought that he would be able to flush out the silt in the canal by letting in water. Therefore, he was admitting the water through the head works and was trying to remove the silt. But he could not succeed. Probably if he contacted us at that stage, I would have advised him against this kind of trial because the canal is silted to such an extent that with the amount of water that can be sent, it is not possible to wash out the silt. Any way he tried his best but he could not succeed.

With regard to the suggestion made by the hon. Member, as I submitted earlier, the Border Roads Organisation which has a large amount of machinery for this type of work, are not able to under take the work. They have written very clearly. They said they have got their own work and they will not be able to do this. As I submitted earlier, I will watch the work week by week and if we find anywhere that the contractors are not able to keep up the programme, we will try our best to get machines from other projects.

श्री यशपाल सिंह : जिन्होंने इन्टेन्शनली इस रेत को भरने दिया, क्या उनके खिलाफ कोई एनक्वायरी कमीशन बैठाया जा रहा है, क्या कोई जुडीशियल एनक्वायरी हो रही है ?

अध्यक्ष महोदय : आप तो बाद में सो जाते हैं।

RE. MOTION FOR ADJOURNMENT (*QUERY*)

SHRI A. SREEDHARAN (Badagara) : I have given notice of an adjournment motion on the Sale of Kerala girls to convents in Europe. Sir, I may be permitted. I have written to you to make a statement. It is an important matter. (*Interruptions*) In Europe these girls are sent to officers as servant maids and they used as concubines.

SHRI RANDHIR SINGH (Rohtak) : This is a serious matter. It could be discussed here.

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : The *Sunday Times* of London has written about the torture on these girls. This is a shocking matter. Without importing any communal passion into it, we must take it as an injury inflicted on Indians.

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, मैंने इसके बारे में लिखा है। ये लोगों की गरीबी का नाजायज फायदा उठा रहे हैं, हमारे देश की इज्जत इस प्रकार से दूसरे देशों में बिक रही है। मैं चाहता हूं कि इसके ऊपर जो एडजार्नमेंट मोशन दिया है, उसको आप मंजूर कीजिये, यह मामला काल-एटेन्शन से हल होने वाला नहीं है। इस तरह लोगों की गरीबी का नाजायज फायदा उठा

कर लोगों को फुसला कर हजारों छोटी छोटी लड़कियों को दूसरे देशों में ले जाकर उनकी बेइज्जती करना उनकी मर्जी के खिलाफ—इस प्रकार की मिसचिफ जो फारेन मिशनरीज कर रहे हैं, उसके बारे में सी० बी० आई० की एनक्वायरी होनी चाहिये। यह काम केरल गवर्नमेंट से नहीं होगा इसके लिये बहस की इजाजत दीजिये।

MR. SPEAKER : Some Members met me this morning in this connection. I agreed for a calling attention motion. But let some more facts come. I have no objection to fix any debate on it.

श्री रणधीर सिंह : यह देश पर बड़ा भारी धब्बा है।...(**व्यवधान**)

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, सरकार क्या कर रही है ? वह देश की इज्जत बेच रही है। औरतों की बेइज्जती हो रही है और सरकार हमारे सामने बताती भी नहीं कि क्या हो रहा है।

12.20 hrs

ARREST OF MEMBERS

(Sarvashri Arjun Singh Bhadoria and Shiva Chandra Jha)

MR. SPEAKER : I have to inform the House that I have received the following communication, dated the 23rd August, 1970, from the Sub-Divisional Magistrate, Parliament Street Courts, New Delhi :—

> "I have the honour to inform you that Sarvashri Arjun Singh Bhadoria and Shiva Chandra Jha, Members, Lok Sabha, were produced before me to day, the 23rd August, 1970, at 1.30 P. M., by the police who arrested them at Mehrauli, under Section 143, Indian Penal Code, for being members of an unlawful assembly. I ordered them to be released on bail on their furnishing personal-bond for Rs. 1,000/- each. They refused to furnish the requisite bond and as such were remanded to judicial custody till the 5th September, 1970. They are at present lodged in the Central Jail, Tihar, Delhi."

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : On a point of order. You must have read in the papers, Sir. I have sent one Calling Attention Notice. There have been brutal lathi charges in Kanpur on SSP Members including legislators. Charan Singh's Government is doing all these things. He has refused to appoint a judicial enquiry. Fascism is going on dictatorship is going on, in U. P. The Centre should appoint a Commission to investigate into the whole thing. *(Interruption)*

श्री जनेश्वर मिश्र (फूलपुर) : अध्यक्ष महोदय, कार्य सूची पर मेरी आपत्ति है। पिछले शुक्रवार को जो एजेन्डा हम लोगों को मिला था उसमें पश्चिम बंगाल के बजट के बाद हरिजन लोगों का सवाल था लेकिन आज के एजेन्डे में पश्चिम बंगाल, सामान्य बजट, यह सब कुछ रख दिया गया है और हरिजनों को पीछे ढकेल दिया गया है। सदन ने तय किया था कि हरिजनों के सवाल पर बीस घंटे बहस होगी। आपके सचिवालय से पूछा तो उन्होंने बताया कि कल की कार्यसूची में दिया है लेकिन हम समझते हैं वह कल नहीं आयेगा, अगले हफ्ते भी नहीं आयेगा और फिर यह सदन भी उठ जायेगा। तो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि बंगाल के बाद हरिजनों वाले सवाल को लें।

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : बंगाल के बाद हरिजनों वाले सवाल फर जरूर चर्चा होनी चाहिये।

12.23 hrs.

WEST BENGAL BUDGET, 1970-71, DEMANDS FOR GRANTS AND STATUTORY RESOLUTION RE : PROCLAMATION IN RELATION TO WEST BENGAL—*(Contd)*

MR. SPEAKER : There are 2 hours and